कोटद्वार, शनिवार
13 सितम्बर 2025
वर्षः 47
अंकः 129 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

बिना लाइसेंस, पंजीकरण कुट्टू का आटा नहीं बेच पाएंगे

देहरादून : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्योहारी सीजन को देखते हुए खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर एसओपी जारी की है। इसमें बिना लाइसेंस और पंजीकरण कुट्टू का आटा नहीं बेच पाएंगे। साथ ही नवरात्र और त्योहारी सीजन को देखते हुए पूरे प्रदेश में मिलावट के खिलाफ महाअभियान चलाया जाएगा। नवरात्र और त्योहारी सीजन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि कुट्टू का आटा अब सिर्फ पैकिंग में ही बेचा जा सकेगा। इसे बेचने के लिए लाइसेंस और पंजीकरण करवाना जरूरी होगा। नियमों तोड़ने वालों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने त्योहारी सीजन को देखते हुए चरणबद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। पहले चरण में कुट्टू के आटे के भंडारण, संग्रहण, वितरण और विक्रय करने वाले थोक विक्रेता, डिपार्टमेंटल स्टोर और फुटकर विक्रेताओं को चिन्हित कर उत्पाद की जांच की जाएगी। नवरात्र शुरू होने से पहले चिन्हित प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। कुट्टू के आटे की पैकिंग के लिए भी सख्त नियम बनाए गए हैं। सीलबंद पैकेट पर पैकिंग तिथि, एक्सपायरी तिथि, निर्माता और रिपैकर का पूरा पता, प्रतिष्ठान का नाम और लाइसेंस नंबर अंकित करना अनिवार्य होगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और रिकॉर्ड की निगरानी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा खाद्य कारोबारी और उपभोक्ताओं को आपूर्ति और विक्रय पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्ता को कुट्टू के बीज अथवा आटे के क्रय और विक्रय का रिकॉर्ड लिखित रूप में रखना होगा।

जंगल से सटे गांवों में अजगर निकलने से दहशत में लोग

ऋषिकेश। जंगल से सटे क्षेत्रों में वन्य जीवों की आमद से ग्रामीण परेशान हैं। शुक्रवार को डोईवाला के तीन अलग अलग क्षेत्रों में अजगर निकले। ग्रामीणों ने तीनों जगहों पर अजगर का रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ा। डोईवाला के सिमलास ग्रांट, झडौंद और शक्तिवाला में अजगर निकलने की घटनाएं हुई। झड़ौंद में अंकित राजपूत के घर बीते गुरूवार शाम ग्रामीणों को अजगर दिखा, जिसके बाद समाजसेवी विजय कुमार ने साहस का परिचय देते हुए अजगर को पकड़ा और जंगल में छोड़ दिया। वहीं देर रात शक्तिवाला में ग्रामीण प्रशांत बसेड़ा और सिमलास ग्रांट में विनीत राजपूत के घर अजगर निकलने की घटनाएं हुई। सूचना मिलने पर समाजसेवी विजय कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने अजगर का रेस्क्यू कर उसे दूर जंगल में छोड़ दिया। सभासद विनीत राजपूत ने बताया कि उन्होंने वन विभाग को सूचना दी थी, परन्तु वहां से कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद विजय कुमार मौके पर पहुंचे और अजगरों को पकड़कर जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया। उन्होंने विजय कुमार के इस साहसिक कार्य की सराहना करते हुए मांग की है कि वन विभाग को विजय कुमार को सम्मानित करना चाहिए। समाजसेवी विजय कुमार द्वारा एक ही दिन में तीन अजगरों को रेस्क्यू किया जाना न केवल एक साहसिक कदम है, बल्कि इससे गांव के लोगों में राहत और सुरक्षा की भावना भी उत्पन्न हुई है।

मोरी की सड़कें बदहाल होने से आवागमन हुआ मुश्किल

उत्तरकाशी। सीमांत ब्लॉक मोरी में सड़कों की बदहाली ने आम जनजीवन को अस्त–व्यस्त कर रखा है। जगह–जगह सड़कों में गड्ढे व क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण आवाजाही दूभर हो गई है। सबसे ज्यादा नुकसान मोटर वाहनों को झेलना पड़ रहा है। सांकरी से गंगाड़ मोटर मार्ग पिछले 20 दिनों से बंद पड़ा है, जबकि मोरी से सांकरी तक की सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है।

ब्लॉक प्रमुख रणदेव सिंह, जिला पंचायत सदस्य रबीना रावत, चैन सिंह रावत, गुलाब सिंह, उमराव सिंह, दर्शन सिंह, जय सिंह, भगत सिंह आदि का कहना है कि सड़कों की दुर्दशा के कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगदी फसलें समय पर मंडी तक नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मोरी ब्लॉक की सभी सड़कों को शीघ्र दुरुस्त करने की मांग की है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से उत्तराखण्ड में हवाई सेवाओं के विस्तार पर की चर्चा

हेली सेवा पुनः प्रारंभ होने से चारधाम यात्रा होगी सुगम , मुख्यमंत्री ने जौलीग्रांट में रात्रिकालीन हवाई सेवा आरंभ करने का किया अनुरोध

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू से भेंट कर राज्य में विमानन क्षेत्र के विकास, हवाई सम्पर्क में सुधार एवं पर्यटन को नई गति देने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्य को विमानन क्षेत्र में मिले सहयोग के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री का प्रदेशवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से प्रदेश के हवाई अड्डों पर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु अम्ब्रेला ब्राण्ड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के अंतर्गत कियोस्क स्थापित किए जाने की पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे राज्य में स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने राज्य में मानसून समाप्ति के बाद चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवाओं को पुनः प्रारंभ करने की योजना से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। यह सेवाएं विशेष रूप से बुजुर्ग, दिव्यांग एवं असमर्थ श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के संबंधित विभागों के मध्य इस विषय पर समन्वय जारी है। विगत 01 सितम्बर को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में हेली सेवाओं के संचालन के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करते हुए हेली सेवाओं का पुनः संचालन यात्रा को सहज बनाएगा एवं सड़क मार्गों पर दबाव कम करेगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि राज्य का 70 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र वनाच्छादित है। राज्य में विशेषकर पर्वतीय जिलों में हवाई सम्पर्क न केवल आवश्यक है, बल्कि पर्यटन, नागरिक आवागमन तथा आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने गौचर (चमोली) एवं चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी) हवाई पट्टियों को छोटे विमान संचालन के लिए विकसित करने एवं इन्हें दिल्ली, देहरादून तथा हिंडन से जोड़ने का अनुरोध किया। इससे चारधाम यात्रा की सुविधा बढ़ेगी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में भी सुगमता रहेगी।

मुख्यमंत्री ने जौलीग्रांट हवाई अड्डे पर रात्रिकालीन हवाई सेवा के संचालन का भी केन्द्रीय मंत्री से अनुरोध किया ताकि अधिक से अधिक यात्रियों को विमान सेवा का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण को लेकर भी चर्चा की और बताया कि राज्य सरकार द्वारा अधिकांश आवश्यक कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। उन्होंने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने हेतु निर्देशित करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से क्षेत्रीय सम्पर्क योजना के तहत दिल्ली से पिथौरागढ़ के लिए नियमित हवाई सेवा शीघ्र प्रारम्भ करने का अनुरोध करते हुए बताया कि राज्य के पर्यटन के साथ–साथ सामरिक एवं मानवीय दृष्टिकोण से भी हवाई सेवा लाभकारी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने चिन्यालीसौड़ और गौचर हवाई पट्टी का निरीक्षण कर हवाई सेवा का संचलान किये जाने हेतु कार्यवाही प्रारंभ करने का भी केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उपर्युक्त प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने मुख्यमंत्री को सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

प्रेमी ने लोहे की रॉड मारकर लिव पार्टनर की हत्या की

हरिद्वार। हरिद्वार की शिवलोक कॉलोनी से सटे भभूतावाला बाग में जिला अस्पताल में तैनात ड्राइवर ने अपनी लिव इन पार्टनर की लोहे की रॉड मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने रानीपुर कोतवाली पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुकेश पुजारी जिला अस्पताल में चतुर्थश्रेणी कर्मचारी है और वह सरकारी वाहन चलाता है। करीब 11 साल से वह 34 वर्षीय पिंकी के साथ लिव इन में रह रहा है। पिंकी भभूतावाला बाग स्थित मकान में रहती है और पास ही उसका ब्यूटी पार्लर है। दोनों की आठ साल की एक बेटी भी है। जबकि, मुकेश की पत्नी भी है। जिससे उसके दो बेटे हैं। गुरुवार देर रात मुकेश पिंकी के ब्यूटी पार्लर पहुंचा। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ तो मुकेश ने लोहे की रॉड मारकर उसकी हत्या कर दी। शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे मुकेश ने इसकी सूचना अपने भाई को दी। इसके बाद मुकेश अपने भाई के साथ रानीपुर कोतवाली पहुंचा और सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि मुकेश पिंकी पर किसी अन्य से संबंध होने का संदेह करता था। इसी शक को लेकर गुरुवार रात को उनका विवाद हुआ और मुकेश ने उसकी हत्या कर दी। मुकेश ने दी थी पिंकी को मारने की धमकी एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि आरोपी मुकेश पुजारी ने पहले भी पिंकी को जान से मारने की धमकी दी थी। पिंकी के पिता प्रदीप चटर्जी ने पुलिस को बताया कि मुकेश कुमार उसकी बेटी के साथ अक्सर मारपीट करता था और हत्यार करने की धमकी देता था। जिससे वह परेशान चल रही थी। इसकी जानकारी पिंकी ने उन्हें दी थी।

दिल्ली हाई कोर्ट में बम की धमकी से मचा हड़कंप

ईमेल में लिखा– 'नमाज के बाद होगा धमाका

नई दिल्ली , राजधानी दिल्ली में बम की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट को एक ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया कि जजों के चैंबर सहित परिसर में तीन बम रखे गए हैं और दोपहर की नमाज के बाद धमाका होगा। इस खबर के मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और पूरे परिसर को खाली करा लिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, आज (शुक्रवार, 12 सितंबर) दिल्ली हाई कोर्ट को मिले ईमेल में लिखा था, 'आज दोपहर की इस्लामी नमाज के तुरंत बाद जजों के चैंबर में विस्फोट हो जाएगा।इ ईमेल में दोपहर 2 बजे तक परिसर को खाली करने का अल्टीमेटम भी दिया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे हाई कोर्ट परिसर से जजों, वकीलों और अन्य स्टाफ को बाहर निकाला गया और एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया गया है, जो अभी भी जारी है। गौरतलब है कि हाल के महीनों में दिल्ली के स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और यहां तक कि मुख्यमंत्री सचिवालय को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिल चुके हैं। हालांकि, पिछली सभी धमकियां जांच के बाद फर्जी निकली थीं। पुलिस का मानना है कि यह धमकी भी उसी श्रृंखला की एक कड़ी हो सकती है, लेकिन किसी भी तरह का जोखिम न उठाते हुए मानक प्रक्रिया के तहत पूरी जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल इस ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुट गई है। शुरुआती जांच में यह संदेह जताया जा रहा है कि यह ईमेल भी वीपीएन का इस्तेमाल कर भेजा गया हो सकता है, जैसा कि पहले के मामलों में देखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अजमेर में सेवन वंडर्स पार्क को तोड़ने की कार्रवाई शुरू

अजमेर , सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अजमेर में सेवन वंडर्स पार्क को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। छह महीने पहले सवीच्च न्यायालय ने इस पार्क को हटाने के आदेश दिए थे। इसके बाद केवल एक प्रतिमा को हटाया गया था, लेकिन अब पूरी संरचना हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई है। अजमेर विकास प्राधिकरण ने पार्क को हटाने के लिए पहले टेंडर जारी किए थे, लेकिन केवल एक कंपनी ने बोली लगाई, जिसके कारण टेंडर रद्द कर दिए गए। नया टेंडर फिलहाल प्रक्रिया में है। जिला प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर भरोसा दिलाया था कि 17 सितंबर तक इसे हटा दिया जाएगा। 25 फरवरी को हुई सुनवाई में स्मार्ट सिटी की एसीईओ और नगर निगम आयुक्त की ओर से पेश एफिडेविट पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी और कहा था कि–आपकी कार्यप्रणाली से ऐसा नही लगता कि आप अजमेर को स्मार्ट बनाना चाहते हैं।

पंजाब में बाढ़ की आड़ में हथियारों की तस्करी, 16 पिस्तौल और 1847 कारतूस बरामद

फाजिल्का ,पंजाब में बाढ़ की आड़ में पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी की जा रही है। इसी कड़ी में फाजिल्का पुलिस ने लगातार दूसरे दिन पाकिस्तान से हो रही हथियार तस्करी को नाकाम किया है। शुक्रवार को सीआईए स्टाफ ने गश्त के दौरान गांव थेह कलंदर के निकट दो आरोपियों को दबोचकर उनके कब्जे से 16 पिस्तौल, 38 मैगजीन और 1847 जिंदा रौंद बरामद किए। इससे एक दिन पहले गुरुवार को पुलिस ने 27 पिस्तौल जब्त की थी। आरोपियों की पहचान गुरविंदर सिंह निवासी गांव झोक डिपुलाना और सोना सिंह निवासी महातम नगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों बाढ़ का फायदा उठाकर पाकिस्तान से अवैध हथियार ला रहे थे। दो दिनों में लगातार दूसरी बड़ी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ के बाद यह पता लगाया जाएगा कि ये हथियार किन गिरोहों या व्यक्तियों को सप्लाई किए जाने थे और क्या वे पहले भी इस तरह की तस्करी में शामिल रहे हैं।

भारी बारिश के बीच भीषण लैंडस्लाइड, चार लोगों की मौत, 3 अभी भी मलबे में दबे

गंगटोक ,सिक्किम में भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइड होने से 4 लोगों की मौत हो गई। तीन लोग अभी लापता बताए गए हैं। फिलहाल, लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। भारी बारिश के बीच प्रशासन ने जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से सतर्क रहने की अपील की है।

जानकारी सामने आई है कि पश्चिम सिक्किम के यांगथांग विधानसभा क्षेत्र के अपर रिमबी में देर रात यह घटना हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस, स्थानीय लोगों और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने मिलकर राहत और बचाव अभियान शुरू किया।

इसी बीच, पुलिस ने उफनती हुम नदी पर पेड़ों के तनों से एक अस्थायी पुल बनाकर दो घायल महिलाओं को बचाया। दोनों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। दूसरी महिला की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

गेयजिंग के पुलिस अधीक्षक त्सेरिंग शेरपा ने बताया कि भूस्खलन में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान भीम प्रसाद लिंबू (53 वर्षीय), उनकी बहन अनिता लिंबू (46 वर्षीय), उनके दामाद बिमल राय (50 वर्षीय) और सात वर्षीय पोती अंजल राय के रूप में हुई है।

यांगथांग के स्थानीय विधायक और श्रम मंत्री भीम हांग लिंबू रात करीब 2 बजे घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्यों का नेतृत्व किया। उन्होंने भारी बारिश और क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि समन्वित प्रयासों से पीड़ितों को निकालना संभव हुआ। इससे पहले, सोमवार आधी रात को सिक्किम के ग्यालशिंग जिले में भूस्खलन हुआ था, जिसमें थांगशिंग गांव के 45 वर्षीय बिष्णु की मौत हो गई थी।

एएसआई के अधीन संरक्षित क्षेत्रों दूरी को कम किया जायेः महाराज

केन्द्रीय मंत्री शेखावत से मुलाकात कर मूर्तिविहीन मंदिरों में मूर्ति स्थापित करने का अनुरोध

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज ने केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से नई दिल्ली स्थित कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन आने वाले संरक्षित क्षेत्रों की प्रतिषिद्ध दूरी एवं मानकों के साथ–साथ जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, लोकनिर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम, मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट कर उनसे अनुरोध किया कि देश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन आने वाले संरक्षित क्षेत्रों की प्रतिषिद्ध दूरी को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अपने मानकों के अनुरूप 100 मीटर रखा गया है। जबकि हमारे देश में शहरी एवं पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियां भिन्न–भिन्न हैं और पर्वतीय राज्यों की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप उपरोक्त मानकों का पालन किये जाने में अत्यन्त कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से लिखित रूप अनुरोध किया कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थान की कमी के कारण 100 मीटर की परिधि में स्थानीय लोगों के आवासीय भवन आदि निर्मित होते हैं जिसमें एक बड़ी आबादी निवास करती है। इसलिए इस विषय पर गौर करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन आने वाले संरक्षित क्षेत्रों की प्रतिषिद्ध दूरी को जनहित में 100 मीटर के स्थान पर 30–40 मीटर किया जाये। महाराज ने केन्द्रीय मंत्री को बताया कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद में स्थित कटारमल सूर्य मंदिर में गुम्बद नहीं है और देशभर में कई मन्दिर मूर्तिविहीन है जो कि हमारी संस्कृति के विपरीत है। अतः अंग्रेजों के समय से मूर्तिविहीन मन्दिरों में मूर्तियों की स्थापना करवाया जाना अनिवार्य किया जाय।

उन्होंने कहा कि प्रायः देखा जाता है कि देशभर में होटल और पेट्रोल पम्पों में बने शौचालयों में स्वच्छता का पालन नहीं किया जाता है तथा होटलों के बाहर किसी प्रकार का साइन बोर्ड नहीं लगाया जाता है जिससे पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। अतः देशभर में बने होटलों के बाहर साइन बोर्ड जिसमें पेट्रोल पम्पों में आम नागरिकों तथा विशिष्ट व्यक्तियों के लिए पृथक–पृथक टायलेट्स बनवाये जाने तथा उनमें स्वच्छता का कड़ाई से पालन करवाया जाना अनिवार्य करवाया जाय।

अश्लील वीडियो कॉल कर बुजुर्ग से डेढ़ लाख ठगे, केस दर्ज

हरिद्वार। साइबर ठगों ने अश्लील वीडियो कॉल का जाल बिछाकर 74 वर्षीय बुजुर्ग से डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर ली। कॉल के बाद ठगों ने खुद को ऋइम ब्रांच जयपुर का अधिकारी बताते हुए वीडियो यूट्यूब पर डालने की धमकी दी और रकम ऐंठी। ठगी का शिकार हुए बुजुर्ग ने शुक्रवार को शहर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर रितेश शाह के मुताबिक श्रवणनाथ मठ, मोती बाजार निवासी अनिल कुमार ने पुलिस को शिकायत कर बताया कि 5 अगस्त की रात करीब को उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात महिला का वीडियो कॉल आया। महिला ने कुछ सेकेंड तक अश्लील हरकतें की, जिसके बाद उन्होंने कॉल काट दिया। अगले दिन सुबह एक अन्य नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को सुशील राठी, ऋइम ब्रांच जयपुर का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनकी अश्लील वीडियो यूट्यूब पर डाल दी गई है। मामले को खत्म करना चाहते हैं तो रकम जमा करनी होगी। बुजुर्ग ने पहले 50 हजार रुपये पंजाब एंड सिंध बैंक, हरिद्वार में और इसके बाद एक लाख रुपये बैंक ऑफ बड़ौदा, अपर रोड शाखा से दिए गए खाते में जमा करा दिए। करीब दस दिन बाद फिर उसी नंबर से कॉल आया। इस बार ठग ने पांच लाख रुपये और भेजने का दबाव बनाया। तब अनिल कुमार को ठगी का शक हुआ और बुजुर्ग ने पुलिस में केस दर्ज कराया।

सीपी राधाकृष्णन ने ली उपराष्ट्रपति पद की शपथ

इस्तीफे के बाद पहली बार नजर आए जगदीप धनखड़

नई दिल्ली , भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को शपथ ग्रहण कर ली है। राष्ट्रपति भवन में लगभग सुबह 10 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित केंद्र सरकार के कई मंत्री उपस्थित थे।शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शामिल हुए, जो उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे भी समारोह में मौजूद रहे, जबकि विपक्ष के अन्य नेता भी आए, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुजरात दौरे के कारण शामिल नहीं हो पाए।सीपी राधाकृष्णन ने 9 सितंबर को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सौंपा गया है।इस चुनाव में राधाकृष्णन ने विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 वोटों से हराया था। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था।

मलबा आने से डेढ़ घंटे बंद रहा नैनीताल–हल्द्वानी हाईवे

नैनीताल। नैनीताल में बीते गुरुवार की रात से लगातार हो रही बारिश के चलते नैनीताल–हल्द्वानी हाईवे शुक्रवार को मलबा आने से बंद हो गया। हाईवे पर बल्दियाखान के समीप भारी मात्रा में मलबा पहाड़ी से गिर गया। जिस कारण सुबह 10 बजे से हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों का लंबा जाम लग गया। मौके पर मौजूद नैनीताल एडीएम विवेक राय की मौजूदगी में लोनिवि नेशनल हाईवे खंड ने जेसीबी लगाकर मलबा हटाया। एनएच के सहायक अभियंता प्रमोद सुयाल ने बताया कि बारिश के चलते सड़क पर आए मलबे को सुबह साढ़े 11 बजे के आसपास हटाकर यातायात संचालित कर दिया गया। इधर, नैनीताल में बीते पांच दिनों से लगातार धूप खिल रही थी, जिससे मौसम सुहाना बना हुआ था। शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट बदली और सुबह से ही झमाझम बारिश शुरू हो गई ' जिसके चलते आम जनजीवन और यातायात काफी हद तक प्रभावित रहा। एहतियात के तौर पर नैनीझील में बोटिंग भी रोकनी पड़ी। जिला मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार नैनीताल में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

अंग्रेजी से असहज बीटेक के छात्र ने की खुदकुशी

रुद्रपुर। जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में बीटेक के एक छात्र ने शुक्रवार सुबह छात्रावास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, इंटरमीडिएट उत्तराखंड बोर्ड हिंदी माध्यम से करने वाले छात्र ने बीटेक में इंग्लिश में पढ़ाई से असहज होकर तनाव में यह आत्मघाती कदम उठाया। सुसाइड नोट भी मिला है।

छात्र की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस के मुताबिक, 19 वर्षीय नीरज पुत्र छोटे लाल निवासी दरऊ किच्छा जीबी पंत विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय में बीटेक इलेक्ट्रिकल प्रथम वर्ष का छात्र था। 20 अगस्त को नीरज को जनरल बिपिन रावत छात्रावास में दो अन्य साथियों के साथ कमरा अलॉट हुआ था।

पाकिस्तान की फिर बेइज्जती, यूएनएससी में इजरायल ने लताड़ा, ओसामा बिन लादेन की दिलाई याद

इस्लामाबाद , संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान ने दोहा अटैक को लेकर इजरायल को घेरने की कोशिश की, लेकिन दांव उल्टा पड़ गया! जवाब में इजरायल के राजदूत ने पाकिस्तान को ओसामा बिन लादेन की याद दिला दी।यह तीखी बहस यूएनएससी की एक आपातकालीन बैठक में हुई, जिसका एजेंडा 'मध्य पूर्व की स्थितिइ पर चर्चा था। इस बैठक का अनुरोध अल्जीरिया, पाकिस्तान और सोमालिया ने किया था और इसे फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने अपने संबोधन की शुरुआत इजरायली हमले की कड़ी निंदा से की। हमले को गैर गैरकानूनी और कतर की संप्रभुता के खिलाफ बताया। कहा, यह गैरकानूनी हमला कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि इजरायल की आक्रमकता और अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का हिस्सा है जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करता है।

वहीं, पाकिस्तान के निंदा प्रस्ताव का इजरायल ने सधा हुआ जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनॉन ने शुरुआत में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन के खात्मे वाले अमेरिकी अभियान का हवाला दिया। उन्होंने कहा, जब पाकिस्तान में बिन लादेन का सफाया हुआ था, तो सवाल यह नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया। सवाल यह था कि एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? आज भी यही सवाल पूछा जाना चाहिए। बिन लादेन को कोई छूट नहीं है और हमास को भी कोई छूट नहीं मिल सकती। इस पर, पाकिस्तान ने तुरंत अपने जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल किया और राजदूत अहमद ने इस तुलना को अस्वीकार्य, वास्तव में हास्यास्पद बताते हुए खारिज किया।

सम्पादकीय

रहम से अधिक कारगर दंड

किसी भी राज्य की कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पुलिस और नागरिकों के बीच एक समन्वय बना रहे। नागरिकों द्वारा कानून की अवहेलना करने पर दंड का प्रावधान है लेकिन जब पुलिस तंत्र आपराधिक गतिविधियों की अनदेखी करने लगता है तो सामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद होते चले जाते हैं। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में इन दिनों कानून व्यवस्था डांवाडोल स्थिति में है। आए दिन यहां तमंचे और पिस्तौल लहराना आम बात होने लगी है, यही नहीं दबंगता इस तरह परवान चढ़ी हुई है कि बाकायदा फायर करने की वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर पुलिस को चुनौती दी जा रही है। हालात ऐसे बन चुके हैं की समाज विरुद्ध हरकतें करने वालों को पुलिस का तो डर रह ही नहीं गया है। न केवल कानून तोड़े जा रहे हैं बल्कि समाज में अपना रौब गालिब करने के लिए आपराधिक गतिविधियों की वीडियो भी पोस्ट की जा रही है। उत्तराखंड के कई बड़े नगरों में ऐसे ही हालातो से व्यवस्था जूझ रही है, और इनमें जनपद देहरादून सूची में सबसे अधिक प्रकरण सामने आ रहे है। पिछले कुछ समय में सड़कों पर मारपीट, हुड़दंग और उपद्रव मचाने के साथ–साथ तमंचे और रिवाल्वर लहराने की घटनाओं में गैर उत्तराखंडीयों की संलिप्तता बहुतायत में पाई गई है। उत्तराखंड की राजधानी बनने के बाद दून नगर का विकास तो चाहे जिस स्थिति में हो लेकिन बाहरी राज्यों से आए लोगों की यहां अपराधिक गतिविधियों में जमकर तूती बोल रही है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे छात्रों की है जो विभिन्न संस्थानों में कहने को तो अध्ययन के लिए आए हैं लेकिन उनकी हरकतें नगरीय व्यवस्था पर ग्रहण बनकर सामने आ रही हैं। विडंबना ही है कि ऐसे लोगों को जनपद पुलिस का कोई भय ही नहीं है, जिसके लिए कहीं ना कहीं खुद पुलिस तंत्र ही जिम्मेदार है। उपद्रवियों को छात्र समझ कर उनकी हरकतों को नजरअंदाज करना अब पुलिस पर ही भारी पड़ने लगा है। जनपद पुलिस को ऐसे लोगों के खिलाफ अब तो नरम रवैया को किनारे रख सख्त अपनाना ही होगा। महज थाने चौकिया से माफी के वीडियो डलवाकर ऐसे उद्दंड लोग सुधर जाएंगे ऐसा सोचना बेवकूफी ही होगी। सरे आम सड़कों पर स्टंट, अश्लील हरकतें, मारपीट और उपद्रव की घटनाएं हो रही है लेकिन पुलिस भी शायद तभी जागती है जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस व्यवस्थाए सुधार पाएगी यह संभव नहीं है। बिना दंड के सुधार संभव नहीं है और जनपद पुलिस को भी यह मूल मंत्र अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए। छात्रों के उद्दंड को लेकर पुलिस द्वारा बरती जाने वाली छोटी–छोटी अनदेखियां ही अब बड़ी घटनाओं के रूप में सामने आने लगी हैं, लिहाजा अभी भी यदि कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस जागने को तैयार नहीं है तो फिर घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर माफीनामे के वीडियो डाल कर अपनी ही पीठ थपथपाते रहिए।

मानवीय लापरवाही और भ्रष्टाचार का परिणाम त्रासदियां

बादल फटने की घटनाएं, जिन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग 100 मिमी. प्रति घंटे से अधिक बारिश के रूप में परिभाषित करता है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में आम हैं। ये घटनाएं न केवल प्राकृतिक हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों जैसे अनियोजित निर्माण, जंगलों की कटाई और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप के कारण और भी घातक हो गई हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में अपने बयान में कहा कि पहाड़ी राज्यों में होने वाले निर्माण और नुकसान के लिए 'घर में बैठकर तैयार की गई फर्जी डीपीआर बनाने वाले दोषी हैं। ये लोग बिना जमीनी हकीकत जाने डीपीआर बना देते हैं, जिससे ऐसे हादसे होते हैं।इ यह बयान न केवल सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी कितनी घातक हो सकती है।

विनीत नारायण

भारत, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध भौगोलिक संरचना के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। लेकिन हर साल मानसून के आगमन के साथ यह देश प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आ जाता है। भारत में मानसून का मौसम जून से सितम्बर तक रहता है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं अब आम हैं। हाल के महीनों में उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 50 से अधिक लोग लापता हो गए। हिमाचल प्रदेश में भी अगस्त, 2025 में भारी बारिश के कारण दर्जनों सड़कें बंद हो गई और कई लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि सरकारी तंत्र इन आपदाओं के प्रभाव को कम करने में क्यों विफल है?

बादल फटने की घटनाएं, जिन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग 100 मिमी. प्रति घंटे से अधिक बारिश के रूप में परिभाषित करता है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में आम हैं। ये घटनाएं न केवल प्राकृतिक हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों जैसे अनियोजित निर्माण, जंगलों की कटाई और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप के कारण और भी घातक हो गई हैं।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में अपने बयान में कहा कि पहाड़ी राज्यों में होने वाले निर्माण और नुकसान के लिए 'घर में बैठकर तैयार की गई फर्जी डीपीआर बनाने वाले दोषी हैं। ये लोग बिना जमीनी हकीकत जाने डीपीआर बना देते हैं, जिससे ऐसे हादसे होते हैं।इ यह बयान न केवल सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी कितनी घातक हो सकती है। डीपीआर, जो किसी भी योजना का आधार होती है, में भ्रष्टाचार और लापरवाही बरती जाती है, तो इसका परिणाम ऐसे हादसों और त्रासदियों के रूप में सामने आता है। इसे 'करप्शन ऑफ डिजाइनइ कहा जाता है।

हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार को पहले से तैयारी की जरूरत है। फिर भी, हर साल न सिर्फ एक जैसी आपदाएं दोहराई जाती हैं, बल्कि राहत और बचाव कार्य में अव्यवस्था भी दिखाई देती है। दूसरा, जल निकासी प्रणालियों की कमी और रखरखाव की अनदेखी भी बड़ा मुद्दा है। दिल्ली–एनसीआर जैसे शहरी क्षेत्रों, जहां 2024 में 108 मिमी. बारिश ने भारी जलभराव पैदा किया, में नालों की सफाई और उचित जल निकासी की कमी साफ दिखाई दी। पहाड़ी क्षेत्रों में नदियों के किनारे अनियोजित निर्माण और अतिक्रमण ने प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित किया है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

तीसरा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और जागरूकता की कमी भी बड़ी समस्या है। ऐसे में स्थानीय ज्ञान का उपयोग करके सड़क निर्माण हो तो शायद भूस्खलन में रोकथाम हो सके। लेकिन स्थानीय लोगों की सलाह को नजरअंदाज किया जाता है और परियोजनाएं केवल ठेकेदारों और अधिकारियों के हितों को ध्यान में रख कर बनाई जाती हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब सरकार और समाज मिल कर एक समग्र और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं। सबसे पहले, डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा।

भूगर्भीय सर्वेक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन और स्थानीय विशेषज्ञों की राय को शामिल करना अनिवार्य होना चाहिए। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए स्वतंत्र ऑडिट और निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने चाहिए। दूसरा, आपदा प्रबंधन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना होगा। इसमें न केवल राहत और बचाव की तैयारी शामिल होनी चाहिए, बल्कि प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, जैसे बादल फटने की निगरानी, को भी मजबूत करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भूस्खलन और जलभराव की संभावना वाले स्थानों की पहचान के लिए किया जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास को भी प्राथमिकता देनी होगी। जंगलों की कटाई को रोकना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना और अंधाधुंध निर्माण पर रोक लगाना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में इको–सेंसिटिव जोन में निर्माण को सख्ती से विनियमित करना होगा।

बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की त्रासदियां केवल प्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि मानवीय लापरवाही और भ्रष्टाचार का भी परिणाम हैं। अब समय है कि सरकार, समाज और विशेषज्ञ मिल कर ऐसी व्यवस्था बनाएं जो न केवल आपदाओं को रोके, बल्कि उनके प्रभाव को कम करने में भी सक्षम हो। टिकाऊ विकास, पारदर्शी प्रशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही इस दिशा में बढ़ने का रास्ता है।

योगी सरकार का ऐलान वाकई सराहनीय

उत्तर प्रदेश में हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करने वालों के लिए योगी सरकार का ऐलान वाकई सराहनीय है। योगी आदित्यनाथ की सरकार 1 अगस्त से 'हेलमेट नहीं, पेट्रोल नहींइ का विशेष अभियान चला रही है।मुख्यमंत्री ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील की है। यह विशेष सड़क सुरक्षा अभियान 30 सितम्बर तक पूरे राज्य में लागू रहेगा। दरअसल, देशभर में बिना हेलमेट लगाए बाइक चालकों की मौत का आंकड़ा व्यापक है।देश में साल 2021 में हेलमेट न पहनने के कारण लगभग 47,000 लोगों की मौत हुई, जो कि हर घंटे चार लोगों की मौत के बराबर है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं और हेलमेट न पहनने के खतरनाक परिणामों को दर्शाते हैं, खासकर दोपहिया वाहन चलाने वालों के लिए, जहां मौतें अक्सर हेलमेट के इस्तेमाल से रोकी जा सकती है। राज्य सरकार के इस अभियान में परिवहन, पुलिस, राजस्व और जिला प्रशासन के अधिकारी मिलकर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, मगर सड़कों पर कुछ दिनों के अभियान के बाद हालात पहले की तरह लापरवाही भरे दिखने लगते हैं।कई बार तो जुर्माने से बचने के लिए युवा तबका बाइक को ज्यादा तेज गति से भगाने लगता है और दुर्घटना का शिकार हो जाता है। शायद इसी बात को देखते हुए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि इसका लक्ष्य नागरिकों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें कानून के अनुरूप सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है।उन्होंने जोर देकर कहा कि ईंधन तभी, जब हेलमेट सिर पर हो। बहरहाल, सरकार को इस नियम को कायदे से लागू करवाने के लिए जरूरत से ज्यादा मशक्कत करने की कवायद करनी पड़ेगी। काफी अरसा पहले दूरदर्शन में हेलमेट की महत्ता और लोगों की जान की कीमत को लेकर एक विज्ञापन दिखाया जाता था। वैसे भी एक बात सभी को समझनी चाहिए कि बिना सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल किए कोई भी अपनी जान की रक्षा नहीं कर सकता है।इसलिए कार सवार के लिए सीट बेल्ट और बाइक सवार के लिए हेलमेट का इस्तेमाल जीवन रक्षा की गारंटी मानी जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार का यह फैसला निःसंदेह प्रशंसनीय है। हालांकि ऐसे अभियान की सफलता तभी कारगर है जब पब्लिक नियम–कायदे का पालन करे और अपनी जिंदगी की सुरक्षा के लिए बाकी लोगों को भी जागरूक करे।

जीएसटी में बदलाव दुविधा में विपक्ष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी व्यवस्था में किए गए व्यापक सुधारों (जीएसटी 2.0) को राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि को 'दोहरी खुराकइ करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की श्रृंखला अब नहीं थमेगी। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद के दौरान कहा कि उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले से वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले देशवासियों को 'दोहरा धमाकाइ मिलेगा। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बुधवार को हुई बैठक में अब से सिर्फ पांच और 18 फीसद की दो कर दरें रखने का फैसला किया गया जबकि विलासिता एवं अहितकर उत्पादों को 40 फीसद के दायरे में रखा गया है। जीएसटी में यह राहत 22 सितम्बर से मिलना शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों की जेब में अधिक पैसा बचे और उनका जीवन बेहतर बने। दावा किया जा रहा है कि नये सुधारों से कर प्रणाली सरल होगी, जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा, खपत एवं वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, कारोबारी सुगमता बढ़ेगी जिससे निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद को मजबूती मिलेगी। हालांकि कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने दावा किया है कि इसे लागू करने में देर हो गई है। हालांकि नये सुधारों का स्वागत किया जा रहा है, लेकिन इस तरफ ध्यान जरूर खींचा जा रहा है कि जीएसटी का मौजूदा डिजाइन और कई दरें होनी ही नहीं चाहिए थीं। कांग्रेस का कहना है कि उसने 2019 और 2024 के लोक सभा चुनावों के अपने घोषणापत्र में तर्कसंगत कर व्यवस्था के साथ जीएसटी 2.0 की मांग की थी,

चाइना से रिश्ते सुधारने के लिए राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता

अजय दीक्षित

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ बार के कारण दुनियां के कई देश अपनी विदेश व्यापार नीति का पुनरीक्षण कर रहे हैं। भारत भी कुछ ऐसा ही कर रहा है। भारत ने अमेरिका के विकल्प के तौर पर रूस और चीन को चुना है। भारत के रणनीतिकार जानते हैं कि रूस तो भारत पुराना भागीदार है और भारत उससे सूत कर व्यापार कर रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका से रिश्ते खराब होने के कारकों में से एक कारण रूस से सस्ती दरों पर क्रूड ऑयल खरीद ना वह भी विश्व में सबसे अधिक और अपनी जरूरतों का चालीस फीसदी। लेकिन चीन मामले ऐसा नहीं मान सकते हैं। बल्कि चीन से रिश्ते सुधारने से पहले भारत में राष्ट्रीय स्तर पर बहस होना चाहिए। इसके लिए संसद सत्र भी बुलाए जाने की जरूरत है। सरकार फिक्की, और अन्य संस्थाओं में विशेष सेमिनार आयोजित करे क्योंकि 1962 के बाद चीन से रिश्ते सुधारने का पहला मौका है।यह कोई छोटी मोटी बात नहीं है

चीन से हमारे कई मुद्दों जैसे गलवान,ढोकलम, अरुणाचल प्रदेश, अंतराष्ट्रीय स्तर पर तिब्बत,तियावन,पर और दलाई लामा को लेकर गंभीर विवाद है । विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि चीन हमेशा पाकिस्तान की मदद करता है। अभी हमारा चीन के साथ लगभग 2 लाख करोड़ का द्विपक्षीय व्यापार है जिसमें हमें ५०० करोड़ का द्विपक्षीय व्यापार घाटा है। हालांकि चीन दुनियां का सबसे बड़ा निर्यातक है। चीन प्रति वर्ष 477 लाख करोड़ रुपए का विश्व व्यापार करता है। चाइना रक्षा उपकरण हेलीकॉप्टर मिसाइल ड्रोन राइफल फाइटर जेट,बड़े पैमाने पर तीसरी दुनियां के देशों को

बेचता है।

भारत को विशेष कर राष्ट्रीय स्तर पर बहस की आवश्यकता इसलिए भी है कि संबंधों की रूपरेखा दीर्घ कालीन होती है और भारत एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है।यहां पर सरकारों का परिवर्तन होता है और नए लोग जिम्मेदारी लेते हैं।

चीन हमेशा से जटिल विषय रहा है क्योंकि एशिया में चीन इकलौता देश है जो साम्राज्य वादी है वह अभी भी मध्यकालीन युग के विचारों से जुड़ा होकर उन्नतशील भी है और आधुनिक भी । लेकिन वह विश्वसनीय कभी नहीं रहा है। यदिप अमेरिका का व्यवहार सभी देशों के साथ कुछ कम जायदा लोकतांत्रिक ही रहता है जिसमें डॉनल्ड ट्रंप के बचकाने निर्णयों छोड़ दें तो वह विश्वसनीय रहा है।1990 से पहले जब भारत तत्कालीन स्स्क्र के नजदीक था तब भी अमेरिकन राष्ट्रपति, रोनाल्ड रेगन, जॉर्ज बुश, निक्सन, रूजवेल्ट,ने भारत को एक आद को छोड़ कर धमकाने की कोशिश नहीं की।यहां तक कि अमेरिका कभी बेटो पावर का भी भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया।

भारत सरकार को चीन के विषय में राजनीतिक दलों को विश्वास में लेना चाहिए विशेषकर कांग्रेस पार्टी को।

राष्ट्रीय बहस इन संदर्भों में होनी चाहिए कि भारत चीन से क्या चाहता है और भारत किस हद तक पाकिस्तान के मसले पर पीछे हट सकता है क्योंकि आज नहीं कल पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को चीन की आड में घुसेडेगा। जबकि भारत कश्मीर के मुद्दे पर अब तो कतई बात नहीं करेगा । बहुत से मुद्दे हैं होशकता है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के भी विचार भिन्न हो अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा कितना सही है यह परिणाम आना बाकी है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि चीन लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं है।

अनुराग कश्यप के जन्मदिन पर फिल्म डकैत का वीडियो जारी

बॉलीवुड के जाने–माने निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप जल्द ही फिल्म डकैतः एक प्रेम कहानी में नजर आएंगे। इसमें वह पुलिस अधिकारी स्वामी की भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म के हीरो अदिवी शेष हैं और इसमें उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है। अनुराग 53 साल के हो गए हैं। इस खास मौके पर फिल्म डकैत की टीम ने एक खास वीडियो साझा किया है। इसके साथ टीम ने अनुराग को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

सामने आए वीडियो में अनुराग का धाकड़ अवतार दिख रहा है। इसमें उनके जोरदार एक्शन दृश्य भी शामिल हैं। वह फिल्म की शूटिंग करते दिख रहे हैं। वीडियो में अदिवी की भी झलक दिख रही है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान शैनिल देव ने संभाली है। यह फिल्म इस साल क्रिसमस के खास मौके पर यानी 25 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है। फिल्म तेलुगु के साथ हिंदी भाषा में भी रिलीज होगी।

विजय एंटनी की पॉलिटिकल थ्रिलर फ़िल्म शक्ति थिरुमगन का ट्रेलर रिलीज़

विजय एंटनी की 25वीं फ़िल्म शक्ति थिरुमगन (तेलुगु में भद्रकाली) का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, और यह एक रोमांचक सफ़र का वादा करता है। अरुण प्रभु द्वारा निर्देशित, इस फ़िल्म में विजय एंटनी की बहुमुखी प्रतिभा को एक अभिनेता के रूप में दर्शाया गया है, जहाँ वे एक ऐसे चालबाज़ की भूमिका निभा रहे हैं जो अपनी चतुराई का इस्तेमाल निगरानी के लिए करता है, लेकिन अंततः एक वांछित अपराधी बन जाता है। ट्रेलर हमें विजय एंटनी के किरदार के एक युवा रूप से परिचित कराता है, जिसे उसके दादा राजनीति की कठोर वास्तविकताओं से रूबरू कराते हैं। शक्ति थिरुमगन/भद्रकाली में तृप्ति रवींद्र, सुनील कृपलानी, वागई चंद्रशेखर, मास्टर केशव और सेल मुरुगन जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। विजय एंटनी न केवल फ़िल्म में अभिनय कर रहे हैं, बल्कि अपने बैनर विजय एंटनी फ़िल्म कॉर्पोरेशन के तहत संगीतकार और निर्माता के रूप में भी काम कर रहे हैं। तकनीकी टीम में छायाकार के रूप में शेली कैलिस्ट और संपादक के रूप में रेमंड डेरिक क्रास्टा शामिल हैं, दोनों ही 2021 में आई वाज़ल के बाद निर्देशक अरुण प्रभु के साथ फिर से काम कर रहे हैं।

20 वर्षीय भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने मचाया धमाल

–हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में मारी धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली,भारतीय बैडमिंटन जगत में एक नए सितारे का उदय हुआ है. भारत के 20 वर्षीय शटलर आयुष शेट्टी ने कमाल कर दिया है. आयुष ने हांगकांग ओपन सुपर 500 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है. उन्होंने एक शानदार मुकाबले में हुए 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जापान के पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 कोडाई नाराओका को हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की है.आयुष शेट्टी ने कोडाई नाराओका को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया है, जहां वो सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी और लक्ष्य सेन के साथ अगले दौर में नजर आएंगे. उन्होंने 72 मिनट तक चले मुकाबले में काफी शानदार खेल दिखाया और मुकाबले को 21–19, 12–21, 21–14 से जीत लिया. ये मुकाबला एक घंटे से ज्यादा चला जिसमें भारतीय शटलर ने अपने विरोधी को चौंका दिया.

आयुष शेट्टी की इस जीत को टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर माना जा रहा है. कर्नाटक के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी जून में यूएस ओपन सुपर 300 जीता था. आयुष की बेहतरीन कोर्ट कवरेज और तेज शॉट लगाने की क्षमता ने निर्णायक गेम पर उनका साथ दिया और उन्हें जीत दिलाने में मदद की. ये उनके नए नवेले करियर की सबसे बड़ी जीत है.आपको बता दें कि हांगकांग ओपन 2025 के मेंस सिंग्लस में अब आयुष अपने प्रशिक्षण साथी और हमवतन खिलाड़ी लक्ष्य सेन के खिलाफ उतरेंगे, जहां दोनों भारतीय खिलाड़ियों को बीच एक रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा. ये दोनों ही प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी से हैं.लक्ष्य ने अपने हमवतन एचएस प्रणय को 15–21, 21–18, 21–10 से हराकर टूर्नामेंट में जबरदस्त वापसी की है. ये मार्च के बाद से लक्ष्य का यह पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर क्वार्टर फाइनल है. भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एक बार फिर अपना जलवा दिखाया और थाईलैंड के चालोएम्पोन सुकफुन और ननथाकर्ण तीरात्सकुल को तीन गेम में हरा दिया. दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी सात्विक–चिराग ने पहला गेम 18–21 से हारने के बाद वापसी की और अगले दो गेम 21–15, 21–11 से जीतकर मैच अपने नाम किया. क्वार्टर फाइनल में उनका अगला मुकाबला मलेशिया के जुनैदी आरिफ़ और रॉय किंग याप से होगा.

तेजा सज्जा अभिनीत मिराय को मिला यू/ए सर्टिफिकेट, सेंसर बोर्ड ने दी रिलीज की मंजूरी

साउथ अभिनेता तेजा सज्जा ने फिल्म मिराय को लेकर एक जानकारी शेयर की है। अभिनेता ने बताया उनकी इस फिल्म को सेंसर बोर्ड की ओर से यू/ए सर्टिफिकेट मिला है। साथ ही इस फिल्म को रिलीज की मंजूरी भी मिल चुकी है। इस खुशखबरी को सुनते ही तेजा सज्जा के फैंस बेहद खुश हैं। यह फिल्म कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

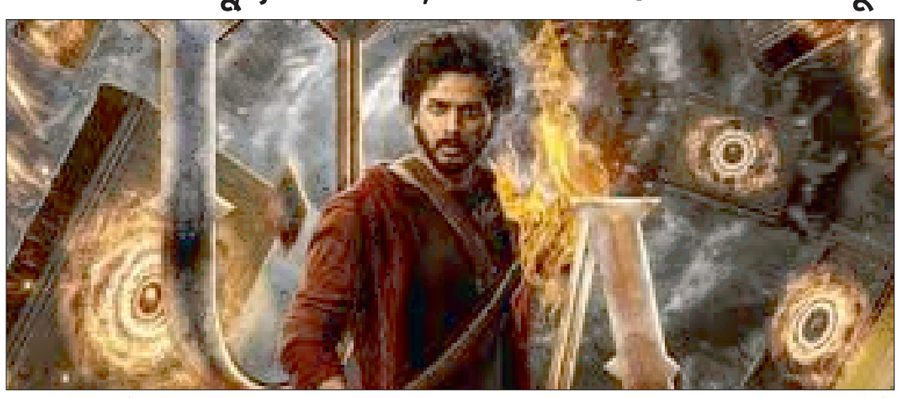

फिल्म मिराय के अभिनेता ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया और साथ ही कैप्शन में लिखा. मिराय सेंसर्ड विद यू/ए , बच्चों, परिवारों और सभी वर्गों के दर्शकों के लिए एक साफ–सुथरी फिल्म, बड़े पर्दे पर एक्शन, इमोशन और भक्ति का अनुभव करने के लिए 12 सितंबर को दुनिया भर में भव्य रिलीज हो रही है। फिल्म मिराय का निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी ने किया है। तेजा सज्जा के अलावा इस फिल्म में जगपति बाबू अंगामा बाली नामक तंत्र के रक्षक की भूमिका में हैं, जबकि रितिका नायक विभा का किरदार निभा रही हैं। मनोज मांचू खलनायक की भूमिका में हैं और श्रेया सरन और जयराम भी अहम किरदार में दिखेंगे।

डी गुकेश को लगातार तीसरे मुकाबले में मिली हार

नई दिल्ली,फिडे ग्रैंड स्विस चेस टूर्नामेंट में भारतीय ग्रैंडमास्टर और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का बुरा दौर खत्म होने का नाम ही नही ले रहा है. उन्हें एक के बाद एक लगातार तीन हार मिल चुकी है. जिससे भारतीय फैंस भी काफी निराश है. गुकेश को 11 सितंबर (गुरुवार) फिडे ग्रैंड स्विस 2025 टूर्नामेंट में अपनी तीसरी हार का सामना करना पड़ा है. गुकेश टूर्नामेंट के सातवें दौर में 16 वर्षीय तुर्की के ग्रैंडमास्टर एडिज गुरेल से हार गए. 19 वर्षीय गुकेश से अंतिम गेम में एक छोटी सी चूक हुई, जो उनकी हार का कारण बन गई. दरअसल उन्होंने अंतिम गेम में एक बिशप की गलती की जिसके बाद उनके विरोधी ने जीत दर्ज कर ली.फिडे ग्रैंड स्विस चेस टूर्नामेंट में डी गुकेश के सात मैचों में कुल 3 अंक हैं. उनके इस प्रदर्शन ने उनके लिए टूर्नामेंट में खतरे की घंटी बजा दी है. दरअसल अब उनको प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अपने सभी मैच जीतने होंगे. यहां से अगर गुकेश को एक भी हार मिलती है तो वो सीधे टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं.

एशिया कप 2025: बांग्लादेश की 7 विकेट से जीत, हांगकांग की 3 दिन में दूसरी हार

अबू धाबी,एशिया कप 2025 के तीसरे मैच में बांग्लादेश ने हांगकांग पर सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की है. जहां हांगकांग की तीन दिनों में ये दूसरी हार है वहीं बांग्लादेश की ये हांगकांग पर पहली टी20 जीत है.

इससे पहले हांगकांग 9 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में 94 रनों से हार गया था. अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के मैच ने बांग्लादेश ने 144 रनों के लक्ष्य को 17.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया. कप्तान लिटन दास ने 39 गेंदों पर 59 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसकी वजह से उन्हें प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया. 144 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, लिटन ने तौहीद हृदय (नाबाद 35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 69 गेंदों पर 95 रनों की साझेदारी की.

संक्षिप्त समाचार

स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने 7.85 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। सीआईयू प्रभारी उपनिरीक्षक जयपाल चौहान ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस बीईएल रोड में गश्त कर रही थी। इसी दौरान जौनपुर निवासी शेरखान संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ दिखाई दिया। बताया कि जब उसकी तलाशी ली गई तो उसकी जेब से स्मैक बरामद हो गई। आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

गढ़वाल विवि के कर्मचारियों ने किया कार्यबहिष्कार, छात्र परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के शुक्रवार को कार्य बहिष्कार पर रहने से प्रशासनिक भवन कार्यालय में पहुंचे छात्र-छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान दूर दराज से पहुंचे छात्रों को डिग्री, माइग्रेशन, चरित्र प्रमाण पत्र, परीक्षा परिणाम, आरटीआई के लिए विवि के दफ्तरों के चक्कर काटने पड़े।

बताते चलें कि कुछ दिन पूर्व गढ़वाल विश्वविद्यालय के एलडीसी कर्मचारी व पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष के बीच दस्तावेज न दिए जाने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि इस दौरान पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा कर्मचारी के साथ मारपीट की गई, जिसके बाद छात्र नेता पर विवि प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही न होने पर कर्मचारी लामबंद हो गये। कर्मचारियों ने पूर्व में छात्र के खिलाफ ठोस कार्यवाही की मांग को लेकर कुलसचिव से वार्ता भी की थी, जिस पर कर्मचारियों ने विवि प्रशासन को तीन दिनों के भीतर छात्र नेता पर कार्यवाही न होने की दशा में दोबारा कार्य बहिष्कार करने की चेतावनी दी थी।

कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष देवेंद्र फर्स्वाण ने कहा कि बीते दिनों एलडीसी कर्मचारी के साथ हुई हाथापाई मामले पर विवि प्रशासन की ओर से ठोस कार्यवाही न होने सहित कर्मचारियों के रेशनलाइजेशन, पदोन्नती, मृतक आश्रितों को नौकरी दिए जाने, कर्मचारियों के सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने व अन्य मांगों को लेकर शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने शुक्रवार को कार्य बहिष्कार किया। कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होती है, आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर रविंद्र सिलवाल, राजेंद्र सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह, चरण सिंह रावत आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

धीरेंद्र बने ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : खिर्सू ब्लाक में ग्राम प्रधान संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया है। कार्यकारिणी में धीरेंद्र सिंह नेगी को अध्यक्ष व अमित कंडारी को उपाध्यक्ष चुना गया।

इस मौके पर प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने एक समान रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर जोर दिया। ब्लाक कार्यालय में आयोजित ग्राम प्रधान संगठन की बैठक में ब्लॉक के 45 ग्राम सभाओं के सापेक्ष 43 प्रधानों ने प्रतिभाग कर संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव किया। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए धीरेंद्र सिंह नेगी को सर्वाधिक मत पड़े। जबकि संगठन में अमित कंडारी को उपाध्यक्ष, राजेश कुमार कोषाध्यक्ष, रुकुम सिंह रावत को संरक्षक, सौरभ गोदियाल महासचिव, अंजू देवी सचिव, कुलदीप गुसाईं महामंत्री, सुमन देवी सह सचिव व जगमोहन चौहान को उप सचिव चुना गया।

पदाधिकारियों ने एकजुट से क्षेत्र के विकास में योगदान करने की अपील की। इस मौके पर ग्राम प्रधान अमित कंडारी, बबली देवी, जितेंद्र सिंह, हेमलता देवी, मेहताब सिंह, राजवीर सिंह, जयपाल सिंह आदि शामिल रहे।

मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : थाना थलीसैंण में दो लोगों के खिलाफ गाली-गलौच करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थलीसैंण के थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि सतेन्द्र सिंह निवासी ऐंठी ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में बताया गया कि जगदीश सिंह निवासी मरोडा और गजे सिंह निवासी गंगाऊ ने उनके साथ मारपीट, गाली गलौच और जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

विश्व पटल पर पहचान बनाएगा कण्वाश्रम : सीएम पांडेय

-सनातन महापरिषद भारत ने कण्वाश्रम के एएसआई सर्वे का किया स्वागत
-कहा महापरिषद वर्षो से कण्वाश्रम के विकास को लेकर धरातल पर कर रहा काम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सनातन महापरिषद भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सीएम पांडेय ने कहा कि चक्रवर्ती सम्राट राजा भरत की जन्मस्थली को विश्व पटल पर पहचान दिलवाने के लिए सनातन महापरिषद भारत वर्षों से संघर्ष कर रहा है। इसी का नतीजा है कि अब केंद्र व राज्य सरकार ने इसकी सुध लेनी शुरु कर दी है। कहा कि कुछ माह पूर्व ही सांसद अनिल बलूनी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संगठन को भारतीय पुरातन सर्वेक्षण एएसआई का सर्वे करवाने का आश्वासन दिया था। कहा कि कहीं न कहीं अब कण्वाश्रम के विकास को लेकर धरातल पर कार्य प्रारंभ हो गया है। सीएम पांडेय ने कहा कि गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में स्थित चक्रवर्ती सम्राट राजा भरत की जन्मस्थली को विश्व पटल पर लाने की आवश्यकता है। इस स्थान को आधुनिक भारत में सम्मान दिलवाने के लिए सनातन महापरिषद संघर्ष कर रहा है।

कहा कि संगठन के प्रयासों से ही एएसआई ने कण्वाश्रम का सर्वे कर वहां से प्राप्त शिलाओं, मूर्तियों व वास्तु शिल्प का नमूना एकत्रित किया। कहा कि कुछ माह पूर्व सनातन महापरिषद के आग्रह पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे लेकर गढ़वाल कमिश्नर विजय शंकर पांडेय को भी निर्देश दिए थे। साथ ही इस कार्य में जगदीश चंद्र कांडपाल ने भी महापरिषद का सहयोग किया। कण्वाश्रम के लिए किए जा रहे विकास कार्यों का महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीएम पांडेय, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष कंचन सुंडली, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक असवाल, प्रदेश उाध्यक्ष महेंद्रनाथ, सोमप्रकाश गौड सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। कहा कि कण्वाश्रम की बेहतर योजनाओं को लेकर प्रतिनिधि मंडल जल्द ही मुख्यमंत्री से दोबारा मुलाकात करेंगे।

साथ ही वर्ष 2027 में हरिद्वार में होने वाले कुंभ को भव्य बनाने के लिए भी परिषद सरकार का सहयोग करेग। इसके लिए महपरिषद सरकार को कुछ सुझाव भी देगा।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने किया दूरदर्शन व आकाशवाणी केंद्र का भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने देहरादून दूरदर्शन व आकाशवाणी केंद्र का भ्रमण कर जानकारियां ली। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने प्रसारण से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं प्रायोगिक पहलुओं के बारे में जानकारी ली।

दूरदर्शन का भ्रमण करते विद्यार्थी

महाविद्यालय में पत्रकारिता के विद्यार्थी देहरादून पहुंचे। देहरादून दूरदर्शन के निदेशक अनिल भारती, अनुराग श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह, कुष्ण कुमार, बालमुकुंद ने विद्यार्थियों को दूरदर्शन के इतिहास के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने एंकर स्टूडियो, पीसीआर, प्रोडक्शन रूम, मास्टर इक्यूपमेंट रूम, सर्वर रूम व अर्थ स्टेशन का अवलोकन किया। वहां होने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके उपरांत विद्यार्थी आकाशवाणी केंद्र देहरादून में पहुंचे। जहां मंजुला नेगी ने रेडिया प्रसारण की तकनीकी प्रक्रियाओं के बारे में बताया। इस मौके पर प्राध्यापक चक्रधर कंडवाल, अनुपम भारद्वाज, अरविंद दुदपुड़ी आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यातायात को लेकर स्कालर्स एकेडमी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें परिवहन विभाग ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हमें यातायात नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

परिवहन विभाग के अधिकारी विमल पांडे ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के बारे में बताया। कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी के कारण ही सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। ऐसे में हमें वाहन चलाने के दौरान नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। दोपहया वाहन चलाने से पूर्व हेलमेट का उपयोग करें। साथ कार में बैठने व चलाने से पूर्व सीटबेल्ट अवश्य लगाए। कहा कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ पुलिस व परिवहन विभाग की ओर से

आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते अधिकारी

कार्रवाई की जाती है। उन्होंने 18 वर्ष से कम के बच्चों को वाहन न चलाने की भी सीख दी। कहा कि कानून के तहत 18 साल से कम बच्चों के वाहन चलाने पर सख्त कार्रवाई की जाती है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को यातायात चिह्न के बारे में भी बताया गया। इस मौके पर जयंत बशिष्ठ, अजय जोशी, अभिषेक वर्मा, जगमोहन सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

नर्सरी रोड पर बनेगा सामुदायिक वेडिंग प्वाइंट

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर नर्सरी रोड पर अस्थायी ट्रंचिंग ग्राउंड की जगह अब शहरवासियों के लिए पार्क और पार्किंग बना रहा है। नगर निगम श्रीनगर की मेयर आरती भंडारी की पहल पर यहां बच्चों के लिए झूले और व्यायाम उपकरण लगाए जा रहे हैं। साथ ही सौ से अधिक वाहनों की पार्किंग के लिए स्थान विकसित किया जा रहा है। पार्क और पार्किंग निर्माण से शहरवासियों को जल्द जाम की समस्या और घूमने के लिए उचित स्थान मिल सकेगा। नगर निगम मेयर आरती भंडारी ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हमारा संकल्प है।

यह परियोजना उसी दिशा में एक अहम कदम है। नर्सरी रोड़ अब गंदगी के लिए नहीं, बल्कि हरियाली, बच्चों की हंसी और लोगों की मुस्कान के लिए जाना जाएगा। बताया कि पार्क, पार्किंग और बगल की रोड़ के निर्माण पर लगभग 20 लाख रुपये की राशि खर्च की जा रही है। पार्क में बच्चों के खेलने के साधन, व्यायाम की मशीनें, हरियाली और फैंसी लाइटों के साथ आकर्षक वातावरण तैयार किया जा रहा है।

ऑनलाइन का चलन बढ़ने से स्थानीय बाजार हो रहे प्रभावित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शुक्रवार को व्यापार संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों ने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत को अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। कहा कि ऑनलाइन खरीददारी का प्रचलन बढ़ने से स्थानीय बाजार आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। आयोजित बैठक में व्यापारियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की। साथ ही भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत को अपनी समस्या से अवगत करवाया। कहा कि वर्तमान में ऑनलाइन खरीददारी का प्रचलन लगातार बढ़ता जा रहा है। लोग छोटे से लेकर बड़ा सामान भी ऑनलाइन ही खरीद रहे हैं। यही कारण है कि बाजार क्षेत्र का व्यापार मंदा होता जा रहा है। वीरेंद्र रावत ने इस समस्या को लेकर व्यापारियों के साथ जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। कहा कि घर-घर जाकर लोगों को लोकल बाजार से सामान खरीदने के लिए जागरूक किया जाएगा। कहा कि इसके लिए समूह भी तैयार किए जाएंगे। कहा कि स्थानीय बाजार आर्थिकी की रीढ़ है। ऐसे में बाजार को बचाएं रखना हम सभी की प्रमुखता है। कहा कि व्यापारियों को भी समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। जिससे स्थानीय लोग अपना रूख लोकल बाजार की ओर कर सकें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सिमारखाल में आयोजित एक कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सोलह शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राजकीय हाईस्कूल सिमारखाल के प्रांगण में आयोजित सम्मान समारोह में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की एकेश्वर इकाई ने लक्ष्मण सिंह नेगी को संघ का जिला उपाध्यक्ष बनने पर हर्ष जताया। कार्यक्रम में लक्ष्मण सिंह ने कहा कि वे शिक्षकों की समस्यों के लिए हमेशा संघर्षरत रहेंगे। इस मौके पर नवनिर्वाचित जिला पंचायत उपाध्यक्ष आरती नेगी, ब्लॉक प्रमुख पंकज बिष्ट और जिला सहकारी संघ के पूर्व डायरेक्टर नरेंद्र सिंह नेगी ने ब्लॉक के 16 शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में पंकज सुंद्रियाल, विनोद बिष्ट, प्रदीप कुमार, बालमुकुंद कैंथोला, लक्ष्मी थपलियाल, अरूणा पांथरी, हेमंती, अवधेश कुमार, सुनील नेगी, रमेश चंद्र डोभाल, सुरेंद्र लाल, योगेंद्र कुमार, ठाकुर सिंह, ममता, मोनिका बिष्ट, बीना शामिल रहे। कार्यक्रम में पोखड़ा के क्षेत्र पंचायत प्रमुख संजय गुसाईं, जिला पंचायत सदस्य पूनम कैंत्यूरा, पूर्व प्रमुख जसपाल सिंह रावत, राजकीय शिक्षक संघ के एकेश्वर ब्लाक अध्यक्ष गणेश पसबोला, भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन यतेंद्र धरमाना व रमेश भट्ट ने किया।

जिला अस्पताल के आउटसोर्स कर्मियों को तीन माह से नहीं मिला मानदेय

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला अस्पताल में आउट सोर्सिंग से तैनात 17 कार्मिकों को पिछले तीन महीने से का मानदेय नहीं मिल पाया है। वेतन नहीं मिलने से इन कार्मिकों के सम्मुख आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। जिला अस्पताल में ये कार्मिक कंप्यूटर ऑपरेटर से लेकर आयुष्मान मित्र, एक्सरे ऑपरेटर, वाहन चालक जैसे पदों पर काम कर रहे हैं। इससे पहले जिला अस्पताल को पीपीपी मोड में संचालित किया जा रहा था। बीते दिसंबर माह में पीपीपी मोड समाप्त होने के बाद फिर सरकार ने अस्पताल का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद इन कार्मिकों को चिकित्सा प्रबंधन समिति के अनुमोदन के बाद आउटसोर्स किया गया था। लेकिन तीन माह से वेतन न मिल पाने की वजह से कार्मिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. एलडी सेमवाल ने बताया है कि आउट सोर्सिंग कार्मिकों के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। जिस फर्म से ये कार्मिक सेवा में रखे गए हैं, विभाग उस फर्म को हर महीने के हिसाब से भुगतान कर रहा है। लेकिन कार्मिकों को फर्म के माध्यम से वेतन समय से नहीं मिलने की शिकायत मिल रही है। मामला संज्ञान में आने के बाद संबंधित फर्म से इस संबंध में पत्राचार भी किया गया है और रिमांडर भी भेजा गया है, ताकि इन कार्मिकों को वेतन समय से मिल सके। यहां तैनात एक कार्मिक के मुताबिक गुरुवार को फर्म ने एक महीने का मानदेय खातों में डाला है, लेकिन तीन महीने का वेतन फिर भी नहीं मिल पाया है।

छात्रों को साइबर अपराध के बारे में दी जानकारी

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय पॉलीटेक्निक श्रीनगर में महिला थाना पुलिस, साइबर सैल श्रीनगर टीम ने नशा मुक्ति, महिला अपराध एवं साइबर अपराध विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। पुलिस प्रशासन ने भिक्षावृत्ति, मानव तस्करी, साइबर फ्रॉड, महिला संबंधी अपराध, ट्रैफिक संबंधी अपराध एवं सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सअप आदि से संबंधित साइबर अपराधों के साथ-साथ अपराध के नये तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वर्तमान समय पर डिजिटल अरेस्ट आदि विषयों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस ने कहा कि किसी भी छात्र-छात्रा या अन्य के साथ साइबर अपराध होने पर 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

विवाद का अंदेशा, सीज की मंदिर की संपत्ति

कोटद्वार देवी मंदिर में दानपात्र सीज करती प्रशासन की टीम

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : देवी मंदिर में समिति के मध्य चल रहे विवाद को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर की संपत्ति को सीज कर दिया है। इस दौरान समिति के एक पक्ष ने प्रशासन की इस कार्रवाई का विरोध भी किया। कहा कि धार्मिक स्थल पर इस तरह की कार्रवाई ठीक नहीं है। शुक्रवार को तहसीलदार साक्षी उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासन की टीम देवी मंदिर में पहुंची। टीम ने समिति से संबंधित मंदिर परिसर में बनें तीन कमरों को सीज किया। जिसमें बच्चों के पढ़ने के लिए बनाई गई लाइब्रेरी भी शामिल है। इसके उपरांत टीम ने मंदिर में लगे दानपात्रों को भी सीज किया। जिससे दानपात्र में रखी राशि किसी भी तरह निकाली न जा सकें। समिति के एक पक्ष ने बताया कि कुछ माह पूर्व कुछ सदस्यों ने मंदिर की समिति गठित की। बताया कि समिति में शामिल कुछ लोगों ने विरोध किया और समिति में बने अध्यक्ष को ही हटा दिया गया। साथ ही उपाध्यक्ष को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। बताया कि समिति का गठन होने के बाद से तीन बार मंदिर के दानपात्रों को खोला गया और धनराशि के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई। यही नहीं 15 वर्षों से बंद तिजोरी को भी तोड़ दिया गया। कहा कि जब चुनाव हुआ ही नहीं है तो समिति किस बात की। कई लोगों ने दुकानों में कब्जा किया हुआ है। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। तहसीलदार साक्षी उपाध्याय ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर ही कार्रवाई की जा रही है।

नगर पालिका को मिला नया स्काईलिफ्टर वाहन

रुद्रप्रयाग : नगर पालिका रुद्रप्रयाग को नया स्काईलिफ्टर वाहन मिल गया है। कलक्ट्रेट परिसर में वाहन का उद्घाटन जिलाधिकारी प्रतीक जैन एवं नगरपालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्काईलिफ्टर वाहन नगरपालिका के कार्यों को और अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाएगा। विशेषकर सफाई, विद्युत मरम्मत, ऊंचाई पर रखरखाव कार्य, होर्डिंग्स एवं सजावट संबंधी कार्यों में इस वाहन का उपयोग शहर की व्यवस्था सुधारने में बेहतर साबित होगा। नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत ने कहा कि नगर पालिका रुद्रप्रयाग को इस आधुनिक वाहन की उपलब्धता से शहर के विकास कार्यों में तेजी आएगी। नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकेंगी। उन्होंने जिलाधिकारी द्वारा वाहन के क्रय के लिए कुछ धनराशि आवंटित करने लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अल्ट्रासाउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला निरीक्षण एवं अनुश्रवण समिति पीसीपीएनडीटी रूद्रप्रप्रयाग ने जनपद मुख्यालय में स्थापित चार अल्ट्रासाउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अल्ट्रासाउंड केंद्रों का विधिवत संचालन पाया गया। जिलाधिकारी/जिलासमुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी याक्षी अरोड़ा के नेतृत्व में जिला निरीक्षण एवं अनुश्रवण समिति पीसीपीएनडीटी की टीम द्वारा जिला चिकित्सालय, कोटेश्वर चिकित्सालय, बोहरा नर्सिंग होम व जन कल्याण हॉस्पिटल रुद्रप्रयाग में स्थापित अल्ट्रासाउंड केंद्रों में औचक निरीक्षण किया। टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान सेंटर की वैधता व उस सेंटर में चिकित्सक के कार्य करने की वैधता संबंधित प्रपत्रों की जांच की गई। साथ ही एएनसी रजिस्टर, फार्म-एफ, ओपीडी रजिस्टर के विवरण का मिलान किया गया, जिसमें सही जानकारी पाई गई। साथ ही अल्ट्रासाउंड केंद्र में सीसीटीवी स्थापना, एक्टिव ट्रैकर की क्रियाशीलता, पीसीपीएनडीटी अधिनियम से संबंधित सूचना प्रदर्शन आदि मानकों का निरीक्षण किया गया।

विधायक से लगाई भालू के आंतक से निजात दिलाने की गुहार

विधायक राजकुमार पोरी को ग्राम प्रधानों को सौंपा ज्ञापन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक की मनियारस्यूं पट्टी में भालू के निरंतर आतंक से निजात दिलाने की मांग को लेकर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार पोरी को प्रधानों ने ज्ञापन सौंपा। कहा कि भालू के आतंक से ग्रामीण दहशत में है। शाम होते ही ग्रामीण घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे है। कहा कि जल्द से जल्द भालू के आतंक से निजात दिलाई जानी चाहिए।

शुक्रवार को विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए प्रधानों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से मनियारस्यूं पट्टी के कई गांवों में जंगली भालू के आतंक से ग्रामीण भयभीत है। भालू की दहशत से स्कूली बच्चे विद्यालय जाने से कतरा रहे है। भालू पशुपालकों की गौशालाओं को तोड़कर पशुधन को क्षति पहुंचा रहा है। भालू के आतंक से निजात दिलाने के लिए वह वन विभाग और जिला प्रशासन से मांग कर रहे है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ज्ञापन देने वालों में समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, ग्राम प्रधान नवीन कुमार, ग्राम प्रधान रमेश चंद्र शाह, ग्राम प्रधान श्रीमती ममता देवी, श्रीपाल सिंह नेगी, राजेंद्र सिंह, देवेंद्र रावत, सुदर्शन सिंह सजवान, ग्राम प्रधान श्रीमती रेनू कपटियाल आदि शामिल थे।

विधायक राजकुमार पोरी को ग्राम प्रधान ज्ञापन सौंपते हुए।

आवारा गौवंशों से शहरवासी परेशान

पौड़ी : नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने शहर में लावारिस गोवंशों की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। कहा कि आवारा गौवंशों की समस्या को लेकर नगर ालिका को भी कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन समस्या पर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। शनिवार को नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने पशुपालन विभाग के परियोजना निदेशक डा. डीएस बिष्ट को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि शहर में आवारा गोवंशों से शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवारा गौवंशों की संख्या बढ़ने से आए दिन वाहन दुर्घटना में लोग चोटिल हो रहे है। साथ ही बुजुर्गा, स्कूली बच्चों के साथ ही शहरवासियों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द ही शहरवासियों को आवारा गौवंशों की समस्या से निजात दिलाने की मांग उठाई है।

छात्रों को फूलों की खेती करने का दिया प्रशिक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण के बीएससी प्रथम सेमेस्टर वनस्पति विज्ञान फ्लोरीकल्चर के छात्र-छात्राओं ने फ्लोरी कल्चर से जुड़े व्यवहारिक प्रशिक्षण हेतु वीर चंद्र सिंह गढ़वाली औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार का शैक्षिक भ्रमण किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय के फ्लोरी कल्चर विषय विशेषज्ञ द्वारा छात्र-छात्राओं को फूल उत्पादन हेतु मिट्टी की जांच, पोषक तत्वों, फूलों से जुड़ी बीमारियों, उससे बचाव, फूलों की नर्सरी बेड की तैयारी एवं उसके देखभाल के तरीके के विषय में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ. छाया सिंह ने भरसार विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ का आभार व्यक्त किया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीपीएम/जीएसयू/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि 06.10.2025 है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 15:30 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेटबैंकिंग, डेबिटकार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	03-GSU-MB-25-26 11/09/2025
कार्य का नाम	Remaining works in connection with completion of building of CPM GSU/MB and renovation of existing offices of S&T GSU in premises of DRM OFFICE at Moradabad.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	06/10/2025, 15:30 Hrs.
अनुमानित लागत	8446693.79
धरोहर राशि	168900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	22.09.2025

No. Dy.CE/GSU/MB/Publication-03/25-26 DATED: 11/09/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2776/25

उत्तर रेलवे

(मुरादाबाद मण्डल) निविदा सूचना

क्र सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	18/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2025:– मुरादाबाद मंडल के विभिन्न स्थानों पर पंप स्थापना एवं संबंधित सहायक उपकरणों के प्रावधान हेतु विद्युत कार्य।	10722601.36 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	203600.00	6 (छह) माह	निविदाये दिनांक 03.10.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/उत्तर रेलवे मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : 15/2025 दिनांक : 11.09.2025 2785/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

दिनकर विहार में पेयजल आपूर्ति ठप, लोग रहे परेशान

विकासनगर। शहर की पॉश कॉलोनी में दिनकर विहार में शुक्रवार को ट्यूबवेल में खराबी आने से लोगों ने पेयजल किल्लत झेली। इससे करीब तीन हजार हजार की आबादी को दिक्कत उठानी पड़ी। लोगों ने घरों के छतों में रखी टंकी के पानी से किसी तरह गुजारा किया, लेकिन दोपहर होने तक टंकियां भी खाली हो गई। देर शाम तक भी पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई। दिनकर विहार में विधायक आवास के सामने पेयजल आपूर्ति के लिए हाल ही में लगाए गए ट्यूबवेल में खराबी आने से शुक्रवार सुबह पेयजल आपूर्ति ठप हो गई। पेयजल सप्लाई ठप होने से तीन हजार की आबादी सुबह से ही परेशान रही। खासकर आवासीय भवनों के ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले वालों को अधिक किल्लत झेलनी पड़ी। आसपास की गलियां इन दिनों सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई हैं, जिससे स्थानीय निवासी दूसरे मोहल्ले से भी पीने के पानी की आपूर्ति नहीं कर पाए। बादामावाला रोड स्थित टैंक से पेयजल आपूर्ति वाले मोहल्लों में जाने के लिए कई लोगों को कीचड़ से भरे गड्ढों से होकर गुजरना पड़ा। लेकिन जिन घरों में सिर्फ बुजुर्ग ही रहते हैं, उन्हें छतों पर रखी टंकी के पानी से ही गुजारा करना पड़ा। देर शाम तक भी ट्यूबवेल की खराबी ठीक नहीं होने के कारण पेयजल आपूर्ति सुचारु नहीं हो पाई थी, जिससे लोगों को अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। स्थानीय निवासी राकेश बेलवाल, गीता, उषा, धर्मपाल तोमर, ललिता चौहान, केएस चौहान, मनवर सिंह नेगी ने बताया कि कुछ दिन पहले सीवर लाइन बिछाने के कारण कई बार पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो रही थी, जिससे आपूर्ति बाधित हो जाती थी। अब ट्यूबवेल में खराबी आने के कारण आपूर्ति बाधित हो गई है। कहा कि सुबह पांच बजे बाधित आपूर्ति को जल संस्थान कर्मी शाम सात बजे तक भी बहाल नहीं कर पाए, जिससे पूरे दिन पेयजल संकट से जूझना पड़ा। उधर, जल संस्थान के अवर अभियंता आलेंद्र कुमाई ने बताया कि ट्यूबवेल में आई तकनीकी खराबी को दूर कर रात तक पेयजल आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

रैली निकाल आत्महत्या रोकथाम और नशामुक्ति के प्रति किया जागरूक

ऋषिकेश। हिमालयन इंस्टीट्यूट के कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग विभाग ने जन जागरूकता रैली निकाली। रैली के जरिए लोगों को आत्महत्या के रोकथाम और नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। शुक्रवार को बुल्लावाला में हिमालयन इंस्टीट्यूट जौलीग्रांट ने छात्र-छात्राओं के सहयोग से रैली निकाली। रैली का शुभारंभ ग्राम प्रधान परविंदर बाउ ने किया। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं ने साबित कर दिया कि समाज बदलने की ताकत उनके हाथों में है। नशा हमारी जड़ों को खोखला कर रहा है और आत्महत्या परिवारों को तोड़ रही है।

कल्जीखाल ब्लॉक के नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को विधायक ने किया सम्मानित

प्रधानों से की जनसेवा की भावना से कार्य करने की अपील

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शुक्रवार को ब्लॉक सभागार कल्जीखाल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को स्मृति चिन्ह भेंटकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रधानों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक काम किए है। कहा कि वह गरीब और असहाय लोगों के लिए कार्य पहले करें है और सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं

का लाभ घर-घर तक पहुंचाना है। कहा कि सरकार ने पंचायत में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया है, उसके बावजूद भी अनारक्षित सीटों से भी प्रधान निर्वाचित होकर आए है। इससे मालूम होता कि महिलाएं पंचायतों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव की सरकार में निर्वाचित होने वाले कई प्रधान लगातार दूसरी और तीसरी बार भी निर्वाचित होकर आए है।

विकास कार्य समय पर पूर्ण न होने पर विधायक नाराज

विधायक निधि के कार्य समय पर पूर्ण नही होने पर विधायक राजकुमार पोरी ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों को समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को कल्जीखाल ब्लॉक सभागार में सम्मान समारोह के बाद विधायक ने ब्लॉक कार्यालय के संबंधित पटल पर जाकर विधायक निधि के कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली और समय पर कार्य और भुगतान न होने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। विधायक ने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। कहा कि विकास कार्य निर्धारित समय पर गुणवत्ता के साथ पूरे होने चाहिए।

उन्होंने क्षेत्र में बेहतर कार्य किए होंगे जिस कारण जनता उन्हें बार-बार असवर प्रदान कर रही है। विधायक ने कहा कि नव निर्वाचित प्रधानों को पुराने अनुभवी प्रधानों से भी सीखने की जरूरत है। ताकि वह अपनी ग्राम सभा में विकास कार्य कर सके। इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक डुकलान, मंडल महामंत्री रविंद्र बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि मनोज नैथानी, राकेश मोहन, वीरेंद्र बिष्ट, धनवान सिंह, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती यशोदा, राकेश नौडियाल, श्रीमती यशोदा देवी, पूर्व प्रधान जयवीर रावत, रमेश चंद्र शाह, ग्राम प्रधान मदन सिंह रावत, श्रीपाल नेगी, चंद्र प्रकाश खर्कवाल, अशोक रावत, रोशनी देवी, मीना धस्माना, बबीता देवी सहित लगभग 85 ग्राम पंचायत प्रधान मौजूद थे। संचालन सरस्वती विद्या मंदिर के पूर्व प्रधानाचार्य राकेश नौडियाल ने किया।

कांडीधार–हिवाई मोटरमार्ग दो माह से बंद, ग्रामीण झेल रहे परेशानी

विकासनगर। चकराता तहसील के अंतर्गत कांडीधार–रेटाड़–हिवाई मोटर मार्ग बीते दो माह से भारी मलबे के कारण पूरी तरह अवरुद्ध है। जिससे स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

यह मोटर मार्ग करीब 12 गांवों को जोड़ने वाली प्रमुख कड़ी है। मार्ग बंद होने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को आवागमन में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीण विरेंद्र सिंह चौहान का कहना है कि यह मोटर मार्ग कांडीधार, खोलरा, रेटाड़ हिवाई समेत कुल 12 गांव, मजरों को जोड़ता है जो लगभग एक माह से बंद पड़ा है। इस संबंध में उन्होंने नौ जुलाई को शिकायत सीएम पोर्टल पर दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग को भी कई बार दूरभाष पर अवगत कराया गया, बावजूद विभाग ने मार्ग दुरुस्त करने की दिशा में कोई पहल नहीं की। ग्राम प्रधान महावीर सिंह, धनसिंह, जयपाल सिंह, सरदार सिंह, रण सिंह ने बताया कि मार्ग बाधित होने के कारण खेतों व बागानों से उपज की ढुलाई ठप है। सेब, आलू और अन्य बागवानी उत्पाद समय पर बाजार नहीं पहुंच पा रहे, जिससे काश्तकारों और बागवानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। वहीं, आपातकालीन स्थिति में वाहन न पहुंच पाने से ग्रामीणों का जीवन संकट में है। ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द मलबा हटवाकर मोटर मार्ग को खोला जाए ताकि सामान्य जनजीवन पटरी पर लौट सके। ग्रामीणों का कहना है कि चकराता के विधायक को भी मार्ग की स्थिति की जानकारी है, लेकिन अब तक विधायक स्तर पर भी कोई ठोस हस्तक्षेप देखने को नहीं मिला है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे।

प्रधान पति ने साथियों संग युवक को पीटा

विकासनगर(। कोतवाली क्षेत्र के उदियाबाग निवासी एक व्यक्ति ने प्रधान पति सहित 24 लोगों पर जानलेवा हमला करने और जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के बाद मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि महेश कुमार पुत्र अशोक कुमार, निवासी ग्राम उदियाबाग ने तहरीर देकर बताया कि वह बीते बुधवार को रात लगभग पौने नौ बजे तहसील चौक से अपने घर जा रहा था। उसी समय राहुल पुत्र नरेश निवासी उदियाग अपने 24 साथियों के साथ आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। उस पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से वार किए गए। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई है। बताया कि इनमें से राहुल पुत्र नरेश ने खुखरी दिखाकर धमकी दी गई कि अब उनका राज है। उसकी पत्नी यहां की प्रधान है। उसने उसे जान से मारने की धमकी दी। बताया कि राहुल के साथ मारपीट करने वालों में संजय पुत्र प्रताप, रोबिन पुत्र राजेन्द्र आयुष पुत्र राजेन्द्र, नन्दलाल पुत्र विश्वनाथ, नीटू पुत्र भूप सिंह, उदय पुत्र नामालूम, विशाल पुत्र खुशीराम, पंकज पुत्र स्व. मुन्नालाल, राजपाल पुत्र भगवान दास निवासीगण उदियाबाग, राहुल यादव उर्फ बन्टी, संतोष पुत्र गुलाब सिंह, अनुज पुत्र धीरीपाल, सचिन उर्फ मिर्ची पुत्र रोशन लाल, ओम निषाद पुत्र मुकेश, अंकित पुत्र रमेश, तरुण, यूना, सुनीत प्रकाश पुत्र सी शार्प, शिवा, अमन पुत्र राकेश, शुभम पुत्र चमन एटनबाग, राहुल पुत्र शिव प्रसाद, अभिषेक राधव पुत्र दिनेश और अमन सैनी उर्फ कारलोश निवासीगण फतेहपुर ग्रांट आदि शामिल थे। कोतवाल ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

टैंकरों के कब्ज़े से सड़क हो रही जाम

ऋषिकेश(। चीनी मिल परिसर में पर्याप्त जगह होने के बावजूद सीरा लेने आ रहे टैंकर सड़क किनारे पार्क किए जा रहे हैं। इसकी वजह से जाम लगने पर लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। डोईवाला चीनी मिल में सीरा लेने के लिए बड़े-बड़े टैंकर यहां आते हैं। यह टैंकर परिसर में खड़े होने के बजाय सड़क पर कतार बनाकर खड़े हो जाते हैं। इससे न केवल ट्रैफिक बाधित होता है बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। जब भी प्रेमनगर बाजार का रेलवे फाटक बंद होता है, तो सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। टैंकर वहीं पर खड़े रहते हैं, जिससे जाम और विकराल हो जाता है। इस दौरान स्कूल बसें भी फंस जाती हैं, जिससे बच्चों और अभिभावकों को भारी दिकू्कत झेलनी पड़ती है।

विकास कार्यों को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें : डीएम

जिलाधिकारी ने आपदा राहत और विकास कार्यों की समीक्षा की

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर जनपद में किए जा रहे आपदा व विकास संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपदा राहत और विकास कार्यों को समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी निर्धारित समायावधि में उपलब्ध कराने के आदेश दिए।जिला सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को आपदा प्रभावितों को दी जाने वाली अहेतुक राशि का समय से वितरण करने के निर्देश दिए। साथ ही

उन्होंने आपदा से क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधारीकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए रेखीय विभागों को कार्यों में तेजी लाने और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री के आदेशों के क्रम में सक्षम अधिकारियों को समय-सयम पर चिकित्सालयों का निरीक्षण करने और व्यवस्थाओं को परखने के की बात कही। बैठक में पुलिस, नगर पालिका और जिला पंचायत के अधिकारियों को अतिक्रमण वाले स्थलों का चयन और नियमित कार्रवाई करने के आदेश दिए। साथ ही वन विभाग के साथ मिलकर नगर पालिका और जिला पंचायतों को जनपद में आवारा गौवंश और बंदरों को लेकर नियमानुसार करवाई करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता को निर्देशित करते हुए जनपद में नकली दवाईयों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने अपर जिलाधिकारी को उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी का गठन कर नियमित दवाई की दुकानों का निरीक्षण करने के भी आदेश दिए।

वहीं उन्होंने सड़क संबंधी विभागों को सड़कों को गड्ढा मुक्त करने को लेकर कार्रवाई में तेजी लाने और रिपोर्ट उपलब्ध कराने के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने जल संस्थान और जल निगम के अधिकारियों को जल जीवन मिशन को लेकर आ रही शिकायतों का शीघ्र समाधान करने के भी आदेश दिए।

रुद्रप्रयाग जनपद में लगेगा 240 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का मेला

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार थीम पर 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग के निवासियों के लिए स्वास्थ्य विभाग एक बड़ी पहल करने जा रहा है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक जिले के तीनों ब्लॉकों में 240 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर महात्मा गांधी जयंती तक चलाया जाएगा और इसका उद्देश्य जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

इन 16 दिनों के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच और देखभाल पर विशेष जोर रहेगा। इसके साथ ही कैंसर रोग की प्रारंभिक अवस्था में पहचान (स्क्रीनिंग) के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। इस दौरान ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की निःशुल्क जांच की जाएगी, ताकि समय रहते रोग का पता चल सके और समुचित इलाज संभव हो सके। इस महाअभियान की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए डीजी हेल्थ डॉक्टर शिखा जंगपांगी स्वयं रुद्रप्रयाग पहुंचीं और उन्होंने जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रामप्रकाश के साथ इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. जंगपांगी को इस विशेष अभियान का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है और उनकी निगरानी में संपूर्ण जनपद में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

लगेंगे विशेष मेगा कैंप

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इन शिविरों के अंतर्गत 240 से अधिक स्वास्थ्य कैंप लगाए जा रहे है, जिसमें 5 मेगा हेल्थ कैंप, 5 मेगा दिव्यांग शिविर, जिनमें जरूरतमंद दिव्यांगजनों को निःशुल्क उपकरण वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही 5 ब्लड डोनेशन कैंप, जिनमें ई-रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था होगी।

शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी

इन सभी शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। शिविरों का आयोजन जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आरोग्य मंदिरों में भी किया जाएगा, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर उपचार मिल सके। इस विशेष स्वास्थ्य अभियान के तहत जनपद रुद्रप्रयाग में अलग-अलग तिथियों को विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ये शिविर जनपद के प्रमुख क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिसमें 17 सितम्बर को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। 19 सितम्बर को जखोली में विशेष शिविर लगेगा। 23 सितम्बर को अगस्त्यमुनि में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम स्वास्थ्य सेवाएं देगी। 26 सितम्बर को ऊखीमठ में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। 2 अक्टूबर 2025 को पुनः जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में बड़ा स्वास्थ्य शिविर लगेगा, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे।

जंगली सूअरों से फसल बचाने को लगाई गुहार

विकासनगर। कालसी भेड़ बकरी किसान उत्पादक संगठन ने डीएफओ चकराता को ज्ञापन प्रेषित कर कालसी ब्लाक के कई गांवो में जंगली सुअरों से फसलों के नुकसान को बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपाय कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि कालसी प्रखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम मटियावा, दोहा, झुसोऊ बड़ोडा, दोऊ समेत आसपास के गांवों में जंगली सुअरों द्वारा पिछले कुछ समय से उनकी मक्का, राजमा, खीरा, गोभी, मटर, टमाटर आदि की फसलों को भारी क्षति पहुंचाई जा रही है। जिसके चलते किसानों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है। बताया कि पूरा दिन ग्रामीण अपने खेतों की देखभाल करते हैं लेकिन रात के समय सुअर खेतों में घुसकर उनकी फसलों को तहस नहस कर देते है। विभाग को गत वर्ष भी इस समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन इस ओर कोई कार्यवाही नहीं की गयी। जिस कारण अनेक किसानों द्वारा इस बार फसल की बुआई नही की गई। बताया कि इस नुकसान के चलते लोग परेशान हैं और खेती छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। कहा कि यदि गांव में रहने वाले ग्रामीण किसानी छोड़ देंगे तो यह पलायन का बड़ा कारण बनेगा।

हिंदी एकता और अखंडता की प्रतीक

विकासनगर। पछुवादून विकास मंच द्वारा हिंदी दिवस पर राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय लखनवाला में शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित कर विद्यालय परिसर में छात्र–छात्राओं के साथ ही आम जनता के लिए पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई। छात्र–छात्राओं के लिए हिंदी कविता पाठ, भाषण प्रतियोगिता भी कराई गई। मंच संयोजक ने छात्र–छात्राओं को बताया कि विविधताओं से भरे इस देश में हिंदी मातृभाषा एकता और अखंडता की प्रतीक है। मंच संयोजक अतुल शर्मा ने कहा की हिंदी दिवस हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है, यह दिन हिंदी भाषा के महत्व और योगदान को याद करने का दिन होता है। हिंदी भारत की राजभाषा है और दुनिया की सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है। हिंदी भाषा ही सारे देश वासियों को जात–पात के बंधन को तोड़कर सारे देश को एकजुट रखती है। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर को हिंदी दिवस को राजभाषा का दर्जा मिला था। बताया कि हम भारतीय सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं लेकिन हिंदी हमारी पहचान है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भी कहा था कि हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। प्रधानाध्यापक सुनील नौटियाल ने कहा कि हिंदी मन, प्रेम की और भारत केजन–जन की भाषा है। भाषण व कविता अनन्या प्रथम, अंशिका द्वितीय स्थान पर रहे। जबकि आदित्य, रितिका और गुंजन ने संयुक्त तौर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस दौरान आमोद शर्मा, अमन बिजल्वाण, राकेश कश्यप, मुकेश राज, वीर सिंह राणा, मनोज राठौर, रजनी धीमान, सुनीता देवी, मनजीत कौर, रेखा वर्मा, लीला राणा आदि मौजूद रहे।

100 लोगों को कंबल और तिरपाल बांटे

ऋषिकेश। रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से शुक्रवार को मालवीयनगर और गीतानगर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मेयर अनीता ममगाईं ने सौ जरूरतमंदों को कंबल और तिरपाल वितरित किए। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के लिए जिस प्रकार से भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में रेड क्रॉस जरूरतमंदों की मदद कर रहा है, वह सराहनीय है। कहा कि क्षेत्र में बहुत से लोग और गोवंश खुले में रहने को मजबूर थे, जिन्हें तिरपाल और कंबल दिए गए हैं।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या – 01/2025–26 एवं 02/2025–26 जोकि दिनांक– 11/09/2025 को खोली जानी है। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं की खुलने की तिथि दिनांक– 20/09/2025 को अपराह्न 13:00 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराह्न 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता,
पत्रांक : 537/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 11.09.2025 वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्रॉफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	155-DRM-MB-25-26 dt. 12.09.2025	165-DRM-MB-25-26 dt. 12.09.2025
Name of Work	Heavy repair of Lat, Bath, Kitchen and other essential repair in S/Qtrs and S/Bldgs provision of tiles in room & Heavy Repair to Main Nallah & drain of Staff Qtrs in the section of SSE/W/HRH-Col/MB under ADEN/HQ	Maintenance of Lawn of Officer's Bungalows, parks & Other Service Building in the section of SSE/W/DRM Office/MB.
Tender Closing Date Time	08.10.2025	08.10.2025
Advertised Value (Rs.)	1,00,00,012.10	69,99,997.53
Earnest Money (Rs.)	2,00,000.00	1,40,000.00
Tender Cost (Rs.)	00	00
Bidding Start Date	24.09.2025	24.09.2025
Period of Completion	06 Month	12 Month

पंत्राक. 75-W/2/3/WA/Publication Dated: 12.09.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2794/25

सभी वार्डों में लगाए जाएं आधार शिविर

ऋषिकेश। नगर निगम ऋषिकेश क्षेत्र में एकमात्र आधार सेवा केंद्र होने से नगरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को नगर के पार्षदों ने सभी वार्डों में आधार शिविर लगाने और तहसील में दो नये आधार काउंटर खोलने की मांग की। पार्षद अभिनव सिंह मलिक ने कहा कि तहसील परिसर स्थित एकमात्र आधार सेवा केंद्र है, जिसमें ऋषिकेश नगर निगम के तमाम वार्डों के लोगों के आधार कार्ड बनते हैं और त्रुटियों में सुधार भी किया जाता है, जबकि ऋषिकेश नगर निगम में 40 वार्ड हैं। आधार कार्ड आज हर नागरिक की पहचान और सरकारी योजनाओं का आधार है। सैकड़ों लोगों को सुबह पांच बजे से कतार में लगना पड़ता है, जबकि प्रतिदिन मात्र 15–20 आवेदन ही निस्तारित हो पाते हैं। इसका सबसे अधिक असर दिहाड़ी मजदूरों, छात्रों, नौकरीपेशा नागरिकों, महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में साप्ताहिक आधार पंजीकरण व सुधार शिविरों का आयोजन किया जाए और तहसील में दो नए आधार काउंटर चालू करवाए जाएं। ज्ञापन देने वालों में पार्षद पुष्कर बंगवाल, पार्षद सुरोजनी थपलियाल आदि उपस्थित रहे।

सेलाकुई नगर पंचायत को मिला नया ईओ

विकासनगर। सेलाकुई नगर पंचायत को नया अधिशासी अधिकारी मिल गए हैं। नगर पालिका पौड़ी में कर एवं राजस्व निरीक्षण के तौर पर तैनात आरडी पाठक को नगर पंचायत सेलाकुई के प्रभारी अधिशासी अधिकारी के पद पर तैनात किया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित चौधरी व सभासदों ने किया नए अधिशासी अधिकारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। दरअसल, 18 अगस्त को नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी एमएल शाह का तबादला हो गया था। उनके तबादले के बाद नगर पंचायत सेलाकुई के विकास कार्य अचानक से रुक गए थे। इसमें ज्यादा दिक्कत परिवार रजिस्टर की नकल, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, कर्मचारियों का वेतन, कार्यालय का किराया और बिजली बिल आदि कार्य ठप हो गए थे। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन अब नए अधिशासी अधिकारी मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली है। उन्हें उम्मीद है कि अधिशासी अधिकारी की तैनाती के बाद अब सभी कार्य सुचारू रूप से हो सकेंगे।

अर्धनगरीय जल योजना के पेयजल बिल देने पर भड़के ग्रामीण

ऋषिकेश। रायवाला में पानी का ज्यादा बिल भेजने पर शुक्रवार को ग्रामीण भड़क गए। उनका कहना है कि गांव में हर घर जल योजना के बजाए बिना बताए ही अर्ध नगरीय जल योजना का बिल थोप दिया गया है। जिससे पेयजल बिल अत्यधिक आ रहे हैं। उन्होंने जल्द समस्या का समाधान नहीं किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। शुक्रवार को ग्रामसभा रायवाला में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में पहुंचे कांग्रेस नेता जयेन्द्र रमोला ने कहा कि सरकार की योजनाएं जनता की सुविधा के लिये होनी चाहिये, ना कि जनता को कष्ट देने के लिये। जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर हर घर जल योजना चलाकर एक रुपये में कनेक्शन देने की योजनाएं चल रही है। वहीं दूसरी ओर उन कनेक्शनों के नाम पर सीधे साधे गांव वालों पर अर्ध नगरीय जल योजना का बिल थोपने का काम भी किया जा रहा है, जो कि न्याय संगत नहीं है। कहा कि रायवाला ग्रामसभा के समीप किसी भी गांव में इस तरह की योजना नहीं है, तो फिर रायवाला को क्यों धोखे में रखकर इस योजना को थोपा गया, जबकि न यहां सीवर है, न ही अन्य कोई शहरी सुविधा। यहां पर बड़ी संख्या में उस जनजाति के लोग रहते हैं, जो बड़ी मुश्किल से अपना भरण–पोषण करते हैं। उन पर इस प्रकार की योजना थोप हज़ारों रुपये के बिलों के भुगतान के लिये वसूली राजस्व नोटिस चस्पा करने का काम किया जा रहा है।

डीएम ने किया ब्रह्म सैंण भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण

लोनिवि, वन विभाग और नगर पालिका को शीघ्र सुरक्षा कार्य करने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने शुक्रवार को गोपेश्वर नगर के ब्रह्म सैंण भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वन विभाग, लोनिवि और नगर पालिका के अधिकारियों को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में शीघ्र सुरक्षा कार्य करने के निर्देश दिए।

गोपेश्वर-घिघराण मोटर मार्ग पर बारिश के चलते ब्रह्म सैंण मोहल्ले के निचले हिस्से में भूस्खलन सक्रिय हो गया है। ऐसे में यहां मौजूद आवासीय भवनों और गोपेश्वर-घिघराण की सुरक्षा को देखते हुए जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वन विभाग और लोनिवि के

अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर सुरक्षा कार्य शीघ्र शुरु करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ब्रह्म सैंण मोहल्ले में नालियों का निर्माण कर ड्रेनेज की व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के आदेश दिए। वन विभाग और लोनिवि के अधिकारियों की ओर से शीघ्र सुरक्षा कार्य शुरू करने की बात कही गई है। इस मौके पर उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, बदरीनाथ वन प्रभाग के डीएफओ सर्वेश दुबे, लोनिवि के अधिशासी अभियंता नवीन ध्यानी, आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

युवक पर युवती के अपहरण का मुकदमा

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र से एक युवती लापता है। युवती के परिजनों ने ढकरानी के एक युवक पर उसका अपहरण करने का आरोप लगाया है। तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि चौकी डाकपत्थर में क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। युवती के पिता ने बताया कि उसकी बेटी को शहबाज पुत्र कलीम, निवासी ग्राम ढकरानी काफी समय से परेशान कर रहा था। बताया कि शहबाज ही उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसको गायब कर दिया। कोतवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। युवती के सकुशल बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com